

फर्द अहकाम

आजीवन को ॥ बनाम **श्री रविशंकर को.**
 V/S श्री रविशंकर को.
 जापद अतिमानको



दिनांक आज्ञा या कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष विवरण

वकील उपपक्ष उपस्थित।
 11-4-18 को नरक से जापद प्रपत्र
 पेश किया गया। नरक दिनांक 27-1-17
 वाले दिवस ही शपथपत्र सायलन दिनांक
 11-4-18 को पेश हो

उपखण्ड अधिकारी
 विराटनगर (जयपुर)

11-4-18 वकील उपपक्ष उपस्थित।
 सायल सायल को नरक यहाँ को
 सायल सायल दिनांक 25-4-18 को
 पेश हो

उपखण्ड अधिकारी
 विराटनगर (जयपुर)

25-4-18 वकील उपपक्ष उपस्थित।
 सायल सायल को नरक यहाँ को
 सायल सायल दिनांक 25-4-18 को
 पेश हो

उपखण्ड अधिकारी
 विराटनगर (जयपुर)

21/05/18

प्रकरण राजस्व लोक अदालत
 में पेश हुआ, उपस्थित सायल
 व अधिवक्ता जैसायल को
 सुना गया। सायल का निवेदन
 रहा कि जम दानी जोगिया के
 ख.नं. 856, 859, 860 के संबंध
 में प्राथीगण के हिले तक, दिनी
 प्रकार के निर्माण नही करे एवं विशेष
 सूभाग का बचान नही करे हेतु

खिरजी लाल
 21-5-18



21/05/18

उपखण्ड अधिकारी

फर्द अहकाम

भारतीय न्यायालय बनाम V/S राजेश कुमार

नाम न्यायालय **उपखण्ड अदालत**

केस संख्या

विशेष न्यायालय

87/2017

प्रार्थनापत्र उपमानक

लय

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष दिनांक आज्ञा या कार्यवाही
	21/5/18	<p>अंतरिम आदेश से पाबन्द कट रखा है, फिर भी जैरामपल ने प्रार्थनापत्र की हिले की भूमि में लगे प्रीमियम व गारडनी को उत्तर उठाव का न्यायालय आदेश की अवहेलना की है।</p> <p>इससे संबंध में जैरामपल का निवेदन यह कि अप्रार्थीगण का खेत प्रार्थीगण से अलग है, अतः अप्रार्थी सं. 2 से 8 के विरुद्ध हस्तगत प्रार्थना पत्र पोषणीय नहीं है, अप्रार्थी सं. 1 का जवाब यह कि अप्रार्थी अपने भू-भाग पर ही काबिज है, तथा न्यायालय आदेश बाद किसी प्रकार का निर्माण नहीं किया है।</p> <p>पत्रावली, पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों विधि के सुसंगत प्रावधानों का अवलोकन किया गया। प्रकरण में न्यायालय आदेश की किसी भी प्रकार से अवहेलना नहीं किया जाना प्रतीत होता है, अतः हस्तगत अवमानना खारिज किया जाता है। साथ ही जैरामपल द्वारा भविष्य में न्यायालय आदेश की अवहेलना की जाती है तो खामल मुना अवमानना प्रार्थना पत्र पेश करने को स्वतन्त्र रहेंगे। निर्णय मजिस्ट्रेट का मुतापक गया। पत्रावली फेरल सुकाट दालिल उपर रह।</p>	



21/5/18

पीठासीन अधिकारी

राजेश्वर लोक अदालत
नाम आपके द्वारा 18